07/04/2024

शामिल विषय(Topics cover)

1. राज्य हरित ऋण के लिए हजारों हेक्टेयर' अपघटित 'वन भूमि की पेशकश करते हैं) GS PAPER III: पर्यावरण(
2. हर मौसम में खुली रहने वाली सड़क लद्दाख को रणनीतिक प्रोत्साहन देती है) GS PAPER III: आंतरिक सुरक्षा(
3. कच्चातिवू समझौते पर सवाल क्यों उठाए जा रहे हैं | ?समझाया) GS PAPER II: आईआर(
4. महिलाओं के रोजगार पर क्या दृष्टिकोण है ?(GS PAPER III: रोजगार(
5. क्या नए सौर ऊर्जा नियमों से उत्पादन बढ़ेगा | ?समझाया गया) GS PAPER III S&T ,विनिर्माण क्षेत्र(
6. अपनी तुलना दूसरों से न करें) GS PAPER IV)

हर मौसम में खुली रहने वाली सड़क लद्दाख को रणनीतिक प्रोत्साहन देती है) GS PAPER III: आंतरिक सुरक्षा(

निम्मू - पदम - दारचा सड़क16 , 580फीट की ऊंचाई पर शिंकू ला दर्रे पर दुनिया की सबसे ऊंची सुरंग के माध्यम से लेह से लाहौल -स्पीति तक आवाजाही की अनुमति देती है ,जो वर्तमान में निर्माणाधीन है ।

PatronicIAS

- सीमा सड़क संगठन) बीआरओ (ने निम्मू - पदम - दारचा सड़क के माध्यम से हिमाचल प्रदेश और लेह को जोड़कर लद्दाख में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की ।
- यह उपलब्धि क्षेत्र में तैनात सुरक्षा बलों को मजबूत करने और चीन और पाकिस्तान के साथ सीमा पर भारत की रणनीतिक गहराई को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण है।
- नवनिर्मित सड़क सुदूर ज़ांस्कर घाटी को खोलती है ,जो एक सुरक्षित आयुध डिपो प्रदान करती है संभावित विरोधियों से दूर.
- यह सड़क वर्तमान में16 , 580फीट की ऊंचाई पर निर्माणाधीन शिंकू ला पास सुरंग के माध्यम से लेह से लाहौल -स्पीति तक सतही आवाजाही की सुविधा प्रदान करती है।
- पूरा होने पर यह सुरंग दुनिया की सबसे ऊंची सुरंग होगी और कठोर सर्दियों के दौरान लॉजिस्टिक चुनौतियों का समाधान करते हुए ,लद्दाख के लिए हर मौसम में कनेक्टिविटी सुनिश्चित करना।
- चीन के विपरीत ,जिसने वास्तविक नियंत्रण रेखा) एलएसी (के पास इस तरह के बुनियादी ढांचे का विकास किया है ,सुरक्षा बल वर्तमान में सभी मौसम वाली सड़कों की कमी के कारण अग्रिम रूप से राशन और गोला-बारूद का भंडारण करते हैं।
- निम्मू - पदम - दारचा सड़क , इसकी तुलना में सबसे छोटी सड़क है । वर्तमान में चालू मनाली-लेह सड़क)428 किमी (और श्रीनगर-लेह सड़क) 439 किमी(।
- शिंकुला सुरंग के पूरा होने से पाकिस्तान और चीन सीमाओं के पास मौजूदा मार्गों की तुलना में इस क्षेत्र में सैनिकों को तेजी से और सुरक्षित रूप से तैनात किया जा सकेगा।
- कुछ स्थानीय लोग ज़ांस्कर के परिदृश्य और सांस्कृतिक विरासत पर परियोजना के प्रभाव के बारे में चिंता व्यक्त करते हैं।
- जलवायु कार्यकर्ता **सोनम वांगचुक** सड़क के रणनीतिक महत्व को स्वीकार करते हैं लेकिन ज़ांस्कर की समृद्ध संस्कृति और विरासत पर इसके संभावित प्रभाव के बारे में चिंता व्यक्त करते हैं।
- सामाजिक कार्यकर्ता मुस्तफा हाजी कारगिल-ज़ंस्कर खंड पर चार लेन के निर्माण की आवश्यकता पर सवाल उठाते हैं और सुरू घाटी में पेड़ों की कटाई के बारे में चिंताओं पर प्रकाश डालते हैं।
- कारगिल में ज़ांस्कर रेंज ज़ांस्कर घाटी को सिंधु घाटी से अलग करती है और एक अद्वितीय स्वदेशी संस्कृति का घर है।
- सुरू नदी ज़ांस्कर रेंज से निकलकर कारगिल से होकर बहती है।

PatriotiCIAS

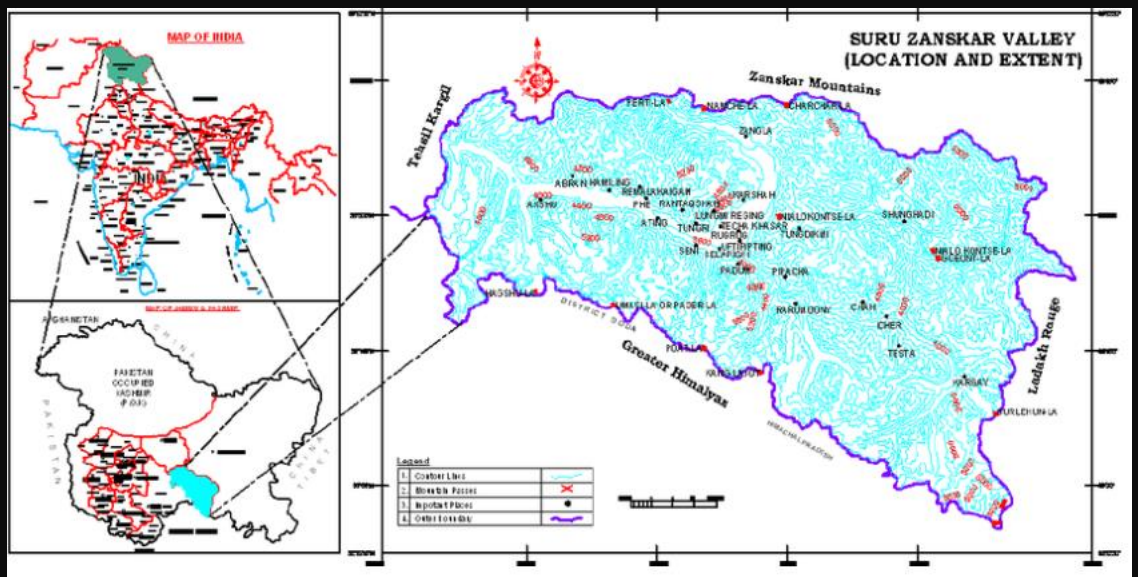

Suru-zanskar valley (location and extent extracted from survey of India toposheets).

राज्य हरित ऋण के लिए हजारों हेक्टेयर' अपघटित ' वन भूमि की पेशकश करते हैं (States offer up thousands of hectares of 'degraded' forest land for green credits))GS PAPER III: पर्यावरण(

हरित ऋण कार्यक्रम के लिए दस राज्यों द्वारा पहचानी गई3 , 853हेक्टेयर निम्नीकृत वन भूमि में से40 % हिस्सेदारी छत्तीसगढ़ ,मध्य प्रदेश की है ;क्रेडिट का उपयोग प्रतिपूरक वनीकरण दायित्वों की भरपाई के लिए किया जा सकता है

- केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने **ग्रीन क्रेडिट प्रोग्राम) जीसीपी (की शुरुआत की** विशिष्ट नियमों के साथ.
- जीसीपी के लिए लगभग3 , 853हेक्टेयर कुल निम्नीकृत वन भूमि की पहचान की है ।
- **उपलब्ध वन भूमि का लगभग40 % हिस्सा छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश का महत्वपूर्ण योगदान है।**
- **जीसीपी के तहत ,पंजीकृत संस्थाएं निम्नीकृत वन क्षेत्रों में वनीकरण परियोजनाओं को वित्तपोषित कर सकती हैं।**
- राज्य के वन विभाग वास्तविक वनीकरण कार्य का संचालन करेंगे।
- **दो वर्षों के बाद ,अंतर्राष्ट्रीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद) ICFRI (द्वारा मूल्यांकन के बाद प्रत्येक रोपित पेड़ एक' हरित क्रेडिट 'के लायक हो सकता है।**

PatriotiCA

- **इन हरित क्रेडिट का उपयोग उन कंपनियों द्वारा किया जा सकता है जिन्होंने प्रतिपूरक वनीकरण दायित्वों को पूरा करने के लिए गैर-वन उद्देश्यों के लिए वन भूमि का उपयोग किया है।**

प्रतिपूरक वनरोपण

- **कानून उद्योगों या संस्थानों को गैर-वन उद्देश्यों के लिए वन भूमि को साफ़ करने की अनुमति देते हुए वन अधिकारियों को समकक्ष गैर-वन भूमि प्रदान करना अनिवार्य करते हैं।**
- उन्हें प्रदान की गई भूमि पर वनीकरण के लिए भी भुगतान करना होगा।
- गैर-वन भूमि आदर्श रूप से उजड़े हुए वन पथों के करीब होनी चाहिए ;अन्यथा ,निम्नीकृत वन भूमि का उपयोग किया जा सकता है।
- **कंपनियों को वन पारिस्थितिकी तंत्र के खोए हुए मूल्य की भरपाई करनी चाहिए ,जिसे' शुद्ध वर्तमान मूल्य 'के रूप में जाना जाता है।**
- प्रतिपूरक वनीकरण के लिए सन्निहित गैर-वन भूमि प्राप्त करना चुनौतीपूर्ण है ,खासकर छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में।
- इन राज्यों ने ऐतिहासिक रूप से वन भूमि के बड़े हिस्से को खनन के लिए मोड़ दिया ,जिससे आसपास उपयुक्त गैर-वन भूमि ढूंढना मुश्किल हो गया।
- **क्षतिपूर्ति वनरोपण निधि ,जो कंपनियों द्वारा भुगतान किए गए पर्यावरणीय मुआवजे से वित्त पोषित है , वनीकरण के लिए उपयुक्त भूमि की अनुपलब्धता के कारण काफी हद तक खर्च नहीं हो पाई है।**

नये भूमि बैंक बनाना

- **ग्रीन क्रेडिट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के टिकाऊ जीवन शैली के आह्वान के अनुरूप वृक्षारोपण में निजी निवेश को प्रोत्साहित करता है।**
- हालाँकि ,विशेषज्ञों के अनुसार ,ग्रीन क्रेडिट को मौद्रिक मूल्य निर्दिष्ट करना चुनौतियाँ पैदा करता है।
- हरित ऋण को प्रतिपूरक वनीकरण गतिविधियों से जोड़ना और भी जटिल है।
- **कार्यक्रम अनजाने में भूमि बैंक बना सकता है ,जिसे वाणिज्यिक संस्थाओं में स्थानांतरित किया जा सकता है ,जिससे संभावित रूप से वन भूमि का विचलन बढ़ सकता है।**
- **प्रतिपूरक वनीकरण कानूनों का उद्देश्य व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए वन भूमि विनियोग को हतोत्साहित करना है ,लेकिन हरित ऋण योजना इस लक्ष्य का प्रतिकार कर सकती है।**

'जिम्मेदारी से बच नहीं सकते'

- ICFRI में कार्यक्रम का नेतृत्व कर रहे भानुदास पिंगले ने कहा कि यह योजना अपने पायलट चरण में है , वर्तमान आवेदकों के रूप में राज्य और केंद्र सरकार की संस्थाएं हैं।

PatriotICAS

- **पिंगले के अनुसार ,ग्रीन क्रेडिट योजना संस्थानों को मुआवजे के लिए उपयुक्त भूमि उपलब्ध कराने के दायित्व से छूट नहीं देती है ।**
- इस योजना का उद्देश्य केवल प्रतिपूरक वनीकरण ही नहीं ,बल्कि कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी कार्यों और पुनर्जनन को प्रोत्साहित करना है।
- जैसे-जैसे कार्यक्रम आगे बढ़ेगा ,भूमि को ऋण-सृजन के रूप में स्वीकृत करने के लिए दो साल की समय-सीमा जैसे प्रावधानों में संशोधन हो सकता है।

कच्चातिवू समझौते पर सवाल क्यों उठाए जा रहे हैं | ? समझाया) GS PAPERII: आईआर(

किस वजह से विवाद शुरू हुआ ?द्वीप का मालिक कौन है ?कैसे सुलझा मामला ?भारत को क्या लाभ हुआ ?क्या द्विपक्षीय समझौतों पर दोबारा विचार करने से मछुआरों का मुद्दा हल हो जाएगा ?भारत में ,विशेषकर तमिलनाडु में क्या प्रतिक्रिया रही है ?श्रीलंका के बारे में क्या?

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पार्टी पर गैर-जिम्मेदाराना तरीके से कच्चातीवू द्वीप श्रीलंका को देने का आरोप लगाया।
- उन्होंने सूचना का अधिकार अधिनियम आवेदन के माध्यम से प्राप्त दस्तावेजों पर आधारित एक मीडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए 31 मार्च को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म' एक्स 'पर यह बयान दिया।
- भारतीय जनता पार्टी) भाजपा (के तमिलनाडु अध्यक्ष के .अन्नामलाई को प्राप्त हुए ।
- विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक मीडिया कॉन्फ्रेंस के दौरान समाधान की जरूरत पर जोर देते हुए मोदी के आरोप का समर्थन किया.
- जयशंकर ने बताया कि 1974 और 1976 में क्रमशः कांग्रेस और द्रमुक शासन के तहत भारत और श्रीलंका द्वारा हस्ताक्षरित द्विपक्षीय समझौतों ने कच्चातिवु द्वीप के प्रति उदासीनता दिखाई और पाक जलडमरूमध्य में भारतीय मछुआरों के अधिकारों से समझौता किया।

PatriotICIAS

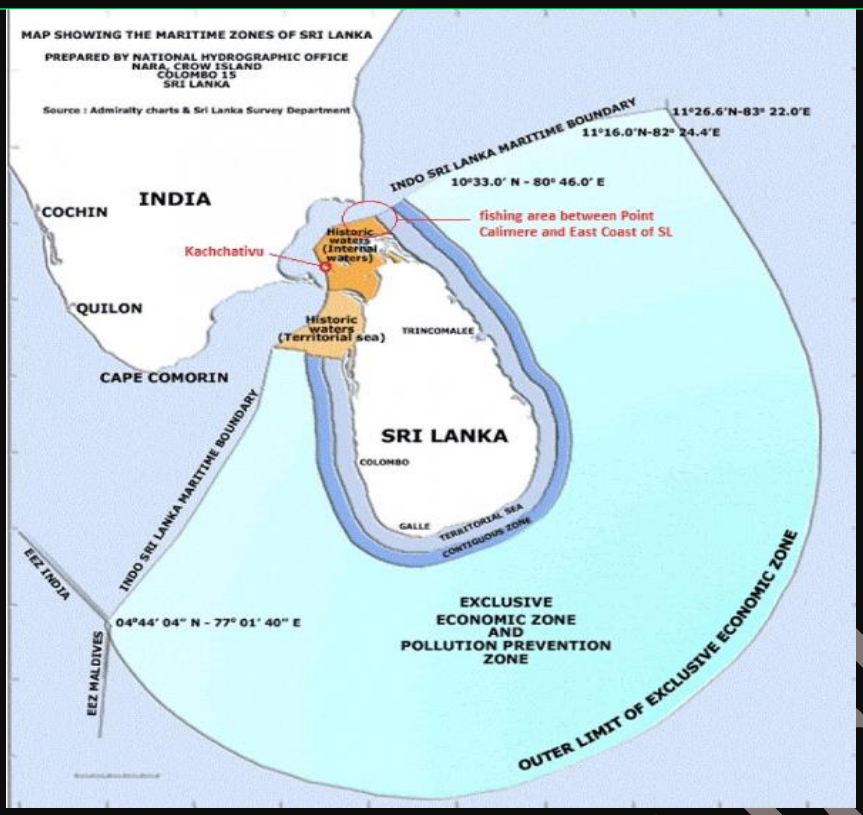

कच्चातिवू कहाँ है?

- कच्चाथीवू एक छोटा , निर्जन द्वीप है।
- इसका क्षेत्रफल लगभग 285 एकड़ है।
- यह द्वीप पाक जलडमरूमध्य में स्थित है।
- यह **डेल्फ़्ट द्वीप से लगभग 14. 5किमी दक्षिण में स्थित है।**
- कच्चाथीवू रामेश्वरम से लगभग 16 किमी उत्तर पूर्व में स्थित है।
- यह द्वीप बंजर है और इसमें पीने के पानी या बुनियादी ढांचे का अभाव है।
- एकमात्र **संरचना** द्वीप पर **सेंट एंथोनी को समर्पित एक कैथोलिक मंदिर है।**

क्या था विवाद?

- **कच्चाथीवू के स्वामित्व पर विवाद** 1921 में **मद्रास और सीलोन की ब्रिटिश औपनिवेशिक सरकारों के बीच शुरू हुआ।**
- 1974और 1976 में समझौता होने तक दोनों पक्षों के बीच बातचीत पांच दशकों तक चली।
- इस दौरान भारत की प्रधानमंत्रियों इंदिरा गांधी और श्रीलंका की प्रधानमंत्रियों सिरिमावो भंडारनायके ने द्विपक्षीय समझौतों पर हस्ताक्षर किये।
- इन समझौतों ने कच्चातिवु को श्रीलंका के क्षेत्र का हिस्सा घोषित किया।
- **दोनों देशों के लिए विशेष आर्थिक क्षेत्रों को परिभाषित करने के लिए मन्नार की खाड़ी और बंगाल की खाड़ी में एक समुद्री सीमा** भी स्थापित की।
- समझौतों के तहत ,भारत और श्रीलंका को अपने-अपने विशिष्ट आर्थिक क्षेत्रों में संसाधनों पर संप्रभु अधिकार प्राप्त है।

PatriotIAS

दोनों देशों के मछली पकड़ने वाले जहाजों और मछुआरों को एक-दूसरे के जल , क्षेत्रीय समुद्र और विशेष आर्थिक क्षेत्र में मछली पकड़ने से प्रतिबंधित किया गया है।

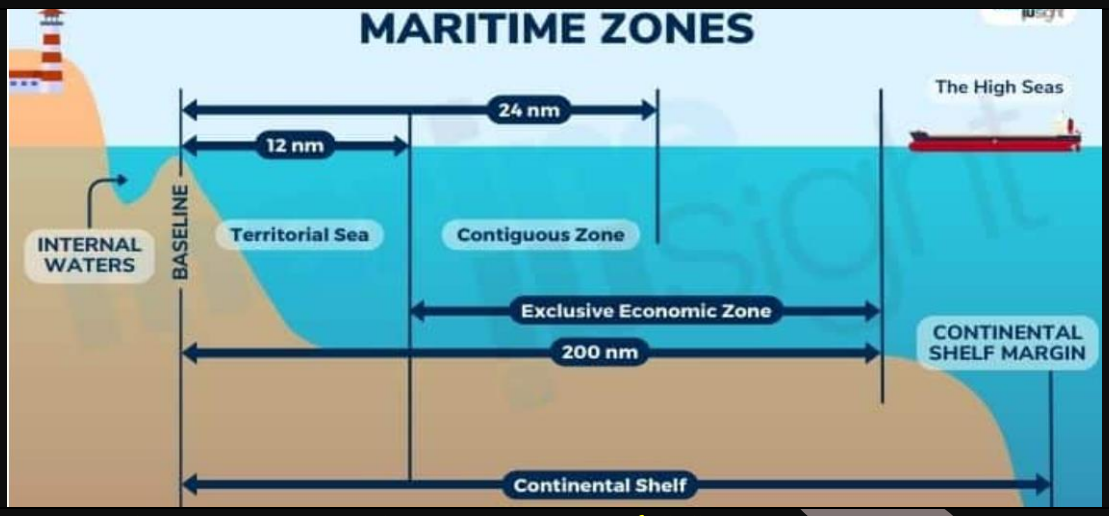

- क्षेत्रीय विवाद के बावजूद ,तमिलनाडु के मछुआरे हर साल मार्च में सेंट एंथोनी उत्सव के लिए कच्चाथीवू आते हैं।
- **का समझौता भारतीय मछुआरों को आराम करने ,जाल सुखाने और त्योहार के लिए द्वीप तक पहुंचने की अनुमति देता है ,लेकिन मछली पकड़ने की गतिविधि निषिद्ध है।**

भारत को क्या मिला?

- अतीत में ,नई दिल्ली को श्रीलंका के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए रखने से कूटनीतिक रूप से लाभान्वित होने के रूप में माना जाता था।
- यह कूटनीतिक रिश्ता बेहद अहम था क्योंकि उस दौरान श्रीलंका का झुकाव चीन की तरफ था।
- **बांग्लादेश की मुक्ति के बाद ,भारत का लक्ष्य श्रीलंका के साथ संबंधों को मजबूत करना था ,विशेष रूप से श्रीलंका में भारतीय मूल के तमिलों के लिए नागरिकता के मुद्दे पर विचार करना।**

- राजनयिक वार्ता के हिस्से के रूप में ,नई दिल्ली ने कन्नियाकुमारी के पास समुद्री संसाधनों से समृद्ध स्थान ,वाडगे बैंक पर संप्रभु अधिकार प्राप्त कर लिया ।

- हाल ही में ,केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने वाज बैंक सहित भारत में तेल और गैस की खोज के लिए प्रस्ताव आमंत्रित किए हैं।
- हालाँकि ,समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र पर संभावित नकारात्मक प्रभावों के बारे में चिंताओं के कारण इस कदम को कन्नियाकुमारी के स्थानीय निवासियों और पर्यावरणविदों की आलोचना का सामना करना पड़ा ।

क्या मछुआरों की गिरफ़्तारी का संबंध द्वीप से है?

- **तमिलनाडु के भारतीय मछुआरों को श्रीलंका के क्षेत्रीय जल में अवैध रूप से मछली पकड़ने के लिए श्रीलंकाई नौसेना द्वारा लगातार गिरफ्तारी का सामना करना पड़ता है।**
- **ये गिरफ़्तारियाँ अक्सर श्रीलंका के उत्तरी तटों के करीब कच्चाथीवू से आगे होती हैं।**
- उत्तरी श्रीलंकाई मछुआरे ,जो तमिल भाषी भी हैं ,2009 में गृह युद्ध की समाप्ति के बाद से अपने मछली पकड़ने के अधिकार की मांग कर रहे हैं।
- वे भारतीय मछुआरों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली बॉटम-ट्रॉलिंग मछली पकड़ने की विधि का विरोध करते हैं ,जिससे समुद्री संसाधन ख़त्म हो जाते हैं और युद्धोपरांत पुनर्प्राप्ति प्रयासों में बाधा आती है।
- **भारत ने मशीनीकृत ट्रॉलर मछली पकड़ने को बढ़ावा दिया है ,जिससे** तमिलनाडु के तट पर संसाधनों की कमी हो गई है और भारतीय मछुआरों को श्रीलंकाई जलक्षेत्र की ओर धकेल दिया गया है।
- 2016में दोनों सरकारों के बीच तली में मछली पकड़ने की प्रक्रिया को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने के समझौते के बावजूद ,भारतीय मछुआरों ने यह प्रथा जारी रखी है।
- **भारतीय और श्रीलंकाई मछुआरों के बीच संघर्ष मुख्य रूप से मछली पकड़ने के तरीकों और क्षेत्रीय अधिकारों को लेकर है ,कच्चाथीवू को लेकर नहीं ।**
- कच्चातिवू को पुनः प्राप्त करना इस चल रहे संघर्ष का समाधान नहीं है।

क्या प्रतिक्रिया रही?

- विपक्षी दलों ,विशेष रूप से कांग्रेस ने 2015 में सरकार के रुख का हवाला देते हुए कच्चाथीवु के बारे में पीएम मोदी की टिप्पणी की आलोचना की कि पिछले समझौतों में क्षेत्रीय अधिग्रहण या अधिग्रहण शामिल नहीं था।
- तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने प्रधान मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान कच्चातिवु पर पीएम मोदी की चुप्पी पर सवाल उठाया।
- **पूर्व भारतीय राजनयिकों ने चेतावनी दी कि पिछले समझौतों को चुनौती देने से भारत की विश्वसनीयता को नुकसान पहुंच सकता है और श्रीलंका के साथ संबंधों में तनाव आ सकता है।**
- पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शिव शंकर मेनन 50 साल पुराने समझौते को फिर से खोलने के प्रति आगाह किया गया और **इसे संभावित" आत्म-लक्ष्य "बताया गया।**

PatriotIAS

- श्रीलंका के विदेश मंत्री अली साबरी ने कहा कि पांच दशक पहले सुलझाए गए मुद्दे पर दोबारा विचार करने की जरूरत नहीं है।
- कच्चाथीवू के आसपास श्रीलंकाई मछुआरों की पहुंच को सीमित करने के लिए अपने स्वार्थ में काम करने का आरोप लगाया ।
- दोनों देशों के मछुआरों ने टिप्पणियों पर चिंता व्यक्त की और चल रहे मत्स्य पालन संघर्ष को संबोधित करने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया ,जिससे समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र और आजीविका को खतरा है।

महिलाओं के रोजगार पर क्या दृष्टिकोण है ?(GS PAPER III: रोजगार(

भारत रोजगार रिपोर्ट ,2024 प्रमुख श्रम बाजार संकेतकों के बारे में क्या बताती है ?श्रम शक्ति में महिलाओं की भागीदारी कम क्यों है ?महिलाओं की नौकरी की संभावनाओं में बदलाव लाने के लिए क्या सिफारिशें हैं?

अब तक कहानी:

- **मानव विकास संस्थान और अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन द्वारा भारत रोजगार रिपोर्ट ,2024 जारी की गई ।**
- रिपोर्ट के अनुसार ,प्रमुख श्रम बाजार संकेतकों ने हाल के वर्षों में सुधार दिखाया है।
- संकेतकों **में श्रम बल भागीदारी दर) LFPR(, कार्यबल भागीदारी दर) WPR(, और बेरोजगारी दर) UR (शामिल हैं।**
- इनके बीच **इन संकेतकों में दीर्घकालिक गिरावट देखी गई।**
- हालाँकि ,उसके बाद उनमें सुधार हुआ ,जो कि आर्थिक संकट की अवधि के साथ-साथ ,जिसमेंCOVID - 19महामारी भी शामिल थी ,सुधार हुआ।
- दो चरम महामारी वाली तिमाहियों को छोड़कर सुधार देखा गया।

महिलाओं की भागीदारी के बारे में क्या?

- भारत में महिला श्रम बल भागीदारी दर) LFPR (पुरुषों की तुलना में काफी कम है।
- 2023में ,**पुरुष LFPR78 . 5था ,जबकि महिला LFPR केवल 37 थी।**
- विश्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार वैश्विक स्तर पर औसत महिला LFPR 49 है ।

PatriotiAS

- महिला LFPR में 2000 के बाद से लगातार गिरावट आ रही थी ,जो 2019 में24 . 5तक पहुंच गई ,लेकिन थोड़ा बढ़ने से पहले ,खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में।
- इन मामूली सुधारों के बावजूद ,महिलाओं के लिए रोज़गार की स्थितियाँ ख़राब बनी हुई हैं।
- अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर अमित बसोले का सुझाव है कि महिला LFPR में वृद्धि ज्यादातर ग्रामीण क्षेत्रों और स्व-रोज़गार में हुई है ,जिसमें अक्सर अवैतनिक कार्य शामिल होते हैं।
- वह बताते हैं कि यह प्रवृत्ति संभवतः कोविड-19 और महामारी से पहले की आर्थिक मंदी से उपजी है , जिसके कारण अधिक महिलाएं श्रम बल में प्रवेश कर रही हैं।
- कुछ परिकल्पनाएँ महिलाओं के काम को मापने में सुधार और पुरुषों के लिए गैर-कृषि रोजगार में वृद्धि का सुझाव देती हैं ,जिससे महिलाएं कृषि में पुरुषों का विकल्प चुनती हैं।
- हालाँकि ,कारणों के संबंध में निर्णायक साक्ष्य का अभी भी अभाव है।

महिलाएँ कहाँ कार्यरत हैं?

- भारत रोजगार रिपोर्ट इस बात पर प्रकाश डालती है कि स्व-रोजगार और अवैतनिक पारिवारिक कार्यों में वृद्धि के लिए महिलाएं मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं।
- 2019के बाद सृजित अतिरिक्त रोजगार का लगभग दो-तिहाई हिस्सा स्व-रोज़गार व्यक्तियों का है , जिनमें मुख्य रूप से अवैतनिक पारिवारिक श्रमिकों के रूप में काम करने वाली महिलाएँ शामिल हैं।
- नियमित रोज़गार का अनुपात ,जो 2000 से लगातार बढ़ रहा था ,2018 के बाद घटने लगा।
- विश्व स्तर पर ,भारत सहित दक्षिण एशिया में ,रोजगार ,शिक्षा या प्रशिक्षण) एनईईटी (में नहीं रहने वाले युवाओं की दर सबसे अधिक है ,जो 2010 और 2019 के बीच औसतन29 .2% है।
- भारत में विशेष रूप से एनईईटी के रूप में वर्गीकृत युवाओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है ,पुरूषों की तुलना में महिलाओं में यह दर अधिक है

श्रम शक्ति में महिलाओं की कम भागीदारी के कुछ कारण क्या हैं?

- अर्थशास्त्री और महिला अधिकार विशेषज्ञ महिलाओं के करियर या नौकरी के अवसरों में बाधा डालने वाली कई बाधाओं की पहचान करते हैं।
- इन बाधाओं में नौकरी की उपलब्धता की कमी ,महिलाओं पर देखभाल की ज़िम्मेदारियों का बोझ ,कम वेतन ,पितृसत्तात्मक रवैया और सुरक्षा संबंधी चिंताएँ शामिल हैं।
- जयति घोष ने अपनी पुस्तक" द मेकिंग ऑफ ए कैटास्ट्रोफ "में 2004 और 2018 के बीच महिलाओं की श्रम बल भागीदारी दर में महत्वपूर्ण गिरावट दर्ज की है।

PatriotiAS

- घोष इस गिरावट के लिए **15 से 19 वर्ष की आयु की महिलाओं के बीच शिक्षा में बढ़ती भागीदारी को जिम्मेदार मानते हैं ,लेकिन भुगतान वाले काम की कमी के कारण महिलाओं को रोजगार से बाहर कर दिए जाने की एक व्यापक प्रवृत्ति पर प्रकाश डालते हैं।**
- अमित बसोले का सुझाव है कि आपूर्ति और मांग दोनों पक्ष महिलाओं के LFPR में गिरावट में योगदान करते हैं।
- **भारत का विकास पैटर्न ,जिसमें नौकरी-गहन क्षेत्रों का अभाव है ,महिलाओं की गतिशीलता और देखभाल की भूमिकाओं को सीमित करने वाले सामाजिक मानदंडों के साथ मिलकर** , रोजगार के अवसरों की तलाश करने की उनकी क्षमता को सीमित करता है।
- **सार्वजनिक सुरक्षा और परिवहन के बारे में चिंताएँ** जैसा कि घोष ने कहा ,महिलाओं के लिए नौकरी के विकल्प और भी सीमित हो गए हैं।
- श्रम की आपूर्ति और मांग को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारकों पर प्रकाश डालता है ।
- इन कारकों में काम और परिवार के बीच संतुलन बनाने के अवसर ,शिक्षा और बच्चे के पालन-पोषण से संबंधित निर्णय ,तकनीकी प्रगति ,कानूनी ढांचे ,अर्थव्यवस्था का संरचनात्मक परिवर्तन और सामाजिक मानदंड शामिल हैं।

- **प्रौद्योगिकी प्रगति** :ये प्रौद्योगिकी में सुधार और नवाचार हैं जिन्होंने लोगों के काम करने के तरीके को बदल दिया है।
- उदाहरण के लिए ,स्वचालन और डिजिटल प्रौद्योगिकी में प्रगति ने महिलाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा किए हैं।
- उन्होंने महिलाओं के लिए दूर से काम करना या लचीली कार्य व्यवस्था को अपनाना भी आसान बना दिया है ,जिससे उन्हें काम और पारिवारिक जिम्मेदारियों को अधिक प्रभावी ढंग से संतुलित करने में मदद मिल सकती है।
- इसके अतिरिक्त ,प्रौद्योगिकी ने शिक्षा और प्रशिक्षण तक पहुंच को आसान बना दिया है ,जिससे महिलाएं रोजगार के लिए नए कौशल और योग्यताएं हासिल करने में सक्षम हो गई हैं।
- **कानूनी ढाँचे** :ये महिलाओं सहित श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए सरकारों द्वारा बनाए गए कानून और नियम हैं। इन कानूनों में भेदभाव-विरोधी कानून शामिल हो सकते हैं जो नियोक्ताओं को उनके लिंग के आधार पर महिलाओं के खिलाफ भेदभाव करने से रोकते हैं।
- इनमें <u>समान काम के लिए समान वेतन अनिवार्य करने</u> वाले कानून भी शामिल हो सकते हैं ,जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि समान काम करने के लिए महिलाओं को पुरुषों के समान ही भुगतान किया जाए।
- इसके अलावा ,कानूनी ढांचा <u>मातृत्व अवकाश और शिशु देखभाल</u> सहायता जैसी नीतियां स्थापित कर सकता है ,जो महिलाओं को काम और पारिवारिक जिम्मेदारियों को संभालने में मदद कर सकता है।
- कुल मिलाकर ,ये कानूनी सुरक्षा महिलाओं को कार्यबल में भाग लेने और अपने करियर में आगे बढ़ने के लिए अधिक सहायक वातावरण बनाती है।

PatriotIAS

- गोल्डिन इस बात पर जोर देती हैं कि महिलाओं की पसंद अक्सर **शादी और घरेलू जिम्मेदारियों से बाधित होती है** , यह घटना न केवल अमेरिका में बल्कि भारत जैसे देशों में भी देखी गई है।

क्या बदलने की जरूरत है?

- **महिलाओं के रोजगार को संबोधित करने के लिए श्रम बाजार के** मांग और आपूर्ति दोनों पक्षों में हस्तक्षेप की आवश्यकता पर जोर देते हैं चुनौतियाँ।
- मांग पक्ष पर ,विनिर्माण और उच्च उत्पादकता सेवाओं में श्रम-गहन क्षेत्रों को बढ़ावा देने वाली नीतियां महत्वपूर्ण हैं।
- महिलाओं के लिए घर से बाहर काम करने के लिए अनुकूल माहौल बनाने के लिए सुरक्षा और परिवहन बुनियादी ढांचे में सार्वजनिक निवेश आवश्यक है।
- **रोजगार के साथ देखभाल की जिम्मेदारियों को संतुलित करने में महिलाओं की सहायता के लिए किफायती बच्चों और बुजुर्गों की देखभाल सुविधाओं** में सार्वजनिक निवेश महत्वपूर्ण है।
- इन हस्तक्षेपों का उद्देश्य महिलाओं को बेहतर वेतन वाली नौकरी के अवसरों तक पहुंचने और श्रम बल में अधिक सक्रिय रूप से भाग लेने में सक्षम बनाना है।

क्या नए सौर ऊर्जा नियमों से उत्पादन बढ़ेगा | ? समझाया गया) GS PAPER III: एस एंड टी ,विनिर्माण क्षेत्र(

सौर फोटोवोल्टिक मॉड्यूल ऑर्डर के स्वीकृत मॉडल और निर्माता क्या हैं?

- **भारत में नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय) MNRE (ने एक नया कार्यकारी आदेश पेश किया है** ।
- आदेश को " **सौर फोटोवोल्टिक मॉड्यूल के स्वीकृत मॉडल और निर्माता) अनिवार्य पंजीकरण के लिए आवश्यकताएं (आदेश ,2019** "कहा जाता है।
- यह 1 अप्रैल से लागू हो गया है.
- इस ऑर्डर का उद्देश्य **भारत के सौर मॉड्यूल विनिर्माण उद्योग को प्रोत्साहित करना और समर्थन करना है।**
- इस आदेश का उद्देश्य सौर फोटोवोल्टिक मॉड्यूल के उत्पादन और बिक्री को विनियमित करना है।
- यह **इन मॉड्यूल का उत्पादन करने वाले निर्माताओं के लिए अनिवार्य पंजीकरण अनिवार्य करता है।**
- इस पंजीकरण आवश्यकता का **उद्देश्य गुणवत्ता नियंत्रण और मानकों का पालन सुनिश्चित करना है।**

PatriotiCIAS

- इस आदेश को लागू करके **सरकार का लक्ष्य घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देना और सौर ऊर्जा क्षेत्र में आयात पर निर्भरता कम करना है।**

कार्यकारी आदेश का संदर्भ क्या है?

- MNRE ने 2019 में आदेश जारी किया था।
- **निरीक्षण से** गुजरना अनिवार्य करता है राष्ट्रीय **सौर ऊर्जा संस्थान.**
- इस निरीक्षण से अनुमोदन किसी कंपनी को सौर पैनलों के वास्तविक निर्माता के रूप में प्रमाणित करता है।
- **यह सच्चे निर्माताओं और मात्र आयातकों या असेंबलरों के बीच अंतर करना है।**
- स्वदेशी उत्पादन के दावों के बावजूद भारत का सौर उद्योग चीन से आयात पर बहुत अधिक निर्भर है।
- **सौर मॉड्यूल महत्वपूर्ण घटक हैं ,जो कई सौर पैनलों से बने होते हैं।**
- **सौर पैनल ,बदले में ,सौर कोशिकाओं की असेंबली हैं।**

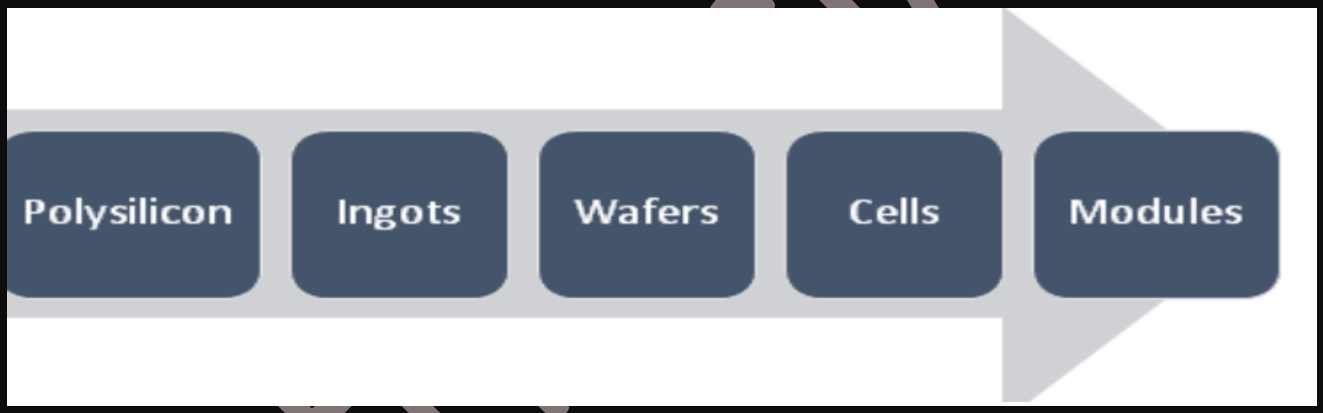

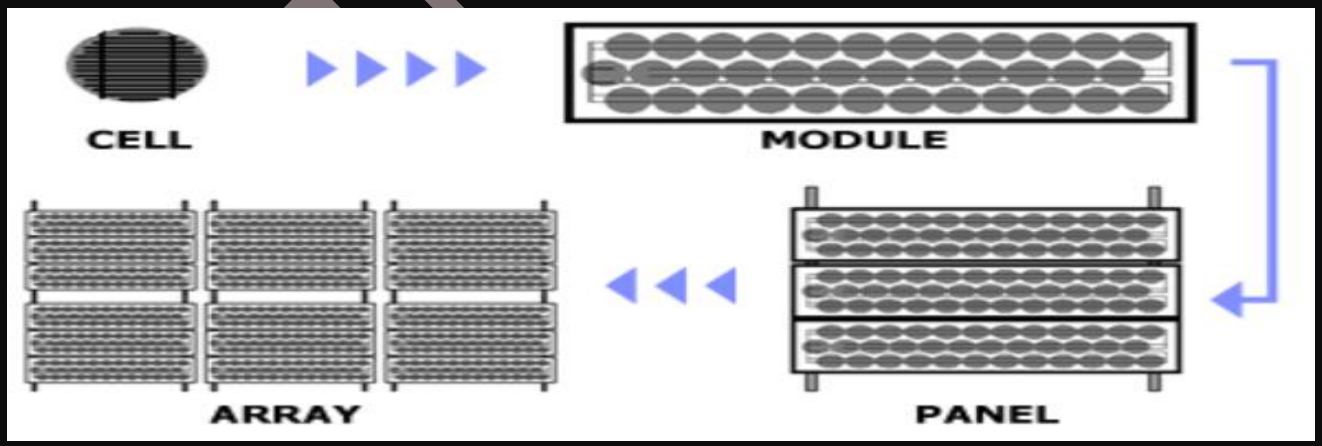

- भारत का लक्ष्य 2030 तक सौर स्थापनाओं (solar installations) में उल्लेखनीय वृद्धि करना है।
- हालाँकि ,सौर सेल और मॉड्यूल का स्थानीय उत्पादन मांग से कम है।
- **भारत में इनगॉट और वेफर्स जैसे कच्चे माल का उत्पादन करने की क्षमता का भी अभाव है ,जो इन घटकों के लिए आयात पर निर्भर है।**

भारत आयात पर निर्भर क्यों है?

- भारत का लक्ष्य 2030 तक गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से 500 गीगावॉट बिजली प्राप्त करके जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करना है।
- इस योजना में अकेले सौर ऊर्जा से कम से कम 280 गीगावॉट का उत्पादन शामिल है ।
- इसे हासिल करने के लिए ,2030 तक सालाना लगभग 40 गीगावॉट सौर क्षमता जोड़ने की जरूरत है।
- हालाँकि ,पिछले पाँच वर्षों में ,भारत केवल लगभग 13 गीगावॉट सौर क्षमता जोड़ने में सफल रहा है।
- इन लक्ष्यों की दिशा में प्रगति को प्रभावित करने वाले कारक के रूप मेंCOVID - 19महामारी का हवाला दिया गया है।
- भारत के सौर उद्योग को घरेलू स्तर पर सौर पैनलों और घटक कोशिकाओं की मांग को पूरा करने में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।
- चीन सौर घटकों की वैश्विक आपूर्ति पर हावी है ,लगभग80 % बाजार को नियंत्रित करता है।
- अनुमोदित सौर मॉड्यूल निर्माताओं की सूची बनाने का उद्देश्य आयात को विनियमित करना और घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देना है।
- **भारत और चीन के बीच तनाव ने** चीनी आयात पर निर्भरता कम करने के फैसले को भी प्रभावित किया है।
- सीमित घरेलू उत्पादन क्षमता के कारण सौर ऊर्जा लक्ष्यों को पूरा करना भारत के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती बनी हुई है।

यदि सूची स्वैच्छिक है तो उसमें शामिल होने के लिए भुगतान क्यों करें? (If the list is voluntary why pay to be on it?)

- स्वीकृत मॉडल और निर्माता) एएमएम (सूची में होने से कंपनियों को सौर ऊर्जा कार्यक्रमों में सरकारी निविदाओं के लिए प्रतिस्पर्धा करने की अनुमति मिलती है।
- इन निविदाओं में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना जैसे प्रमुख कार्यक्रम शामिल हैं , जिसका उद्देश्य लगभग एक करोड़ घरों में छत पर सौर ऊर्जा स्थापित करने के लिए सब्सिडी देना है।
- पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना और अन्य योजनाओं के लिए पात्रता के लिए एएमएम सूची में घरेलू निर्माता के रूप में प्रमाणीकरण की आवश्यकता होती है।
- एक अन्य योजना ,पीएम कुसुम , सौर पंपसेट और ग्रामीण विद्युतीकरण प्रदान करने पर केंद्रित है , जिसमें निर्माताओं के लिए पात्रता वास्तविक स्थानीय निर्माताओं के रूप में प्रमाणित होने से जुड़ी है।
- उत्पादन **लिंक्ड प्रोत्साहन योजना का उद्देश्य सौर पैनलों और घटकों के घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहित करना है।**

PatrioticIAS

- इस योजना के तहत प्रोत्साहन के लिए अर्हता प्राप्त करने के लिए ,कंपनियों को वास्तविक स्थानीय निर्माताओं के रूप में मान्यता प्राप्त होनी चाहिए।
- कुल 48 गीगावॉट के सौर मॉड्यूल के निर्माण के लिए प्रोत्साहन के लिए पात्र हो गई हैं ।
- हालाँकि ,ये प्रतिबंध केवल नई परियोजनाओं पर लागू होते हैं ,और मार्च 2024 से पहले चालू की गई सुविधाएं अभी भी आयातित मॉड्यूल का उपयोग कर सकती हैं।

क्या भारत की विनिर्माण क्षमता पर्याप्त है?

- वैश्विक स्तर पर सौर घटकों के एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता चीन को अमेरिका और यूरोप से ऑर्डर कम होने के कारण पिछला साल भारतीय सौर व्यवसायों के लिए फायदेमंद था।
- **शिनजियांग में उइघुर मुसलमानों द्वारा" जबरन श्रम " का उपयोग करने के आरोपों के कारण चीन को प्रतिबंधों का सामना करना पड़ा** , जिससे यूरोप और अमेरिका से आयात कम हो गया।
- **2023- 24के पहले छह महीनों में लगभग 1 बिलियन डॉलर मूल्य के सौर मॉड्यूल का निर्यात करके भारत को लाभ हुआ।**
- हालाँकि ,ऐसी चिंताएँ हैं कि अमेरिका चीन पर शुल्क हटा सकता है ,जिससे भविष्य में भारतीय निर्यात पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।
- **भारत के लगभग आधे सौर मॉड्यूल चीन से आयात किए जाते हैं ,जिससे मांग-आपूर्ति में अंतर पैदा होता है।**
- सरकार का लक्ष्य घरेलू विनिर्माण क्षमता बढ़ाना है ,लेकिन चुनौतियां बरकरार हैं।
- नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय) MNRE (ने 82 प्रमाणित सौर मॉड्यूल निर्माताओं की सूची बनाई है ,लेकिन **सौर सेल निर्माताओं के लिए कोई समकक्ष सूची नहीं है।**
- भारत को सौर विनिर्माण में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए अभी भी एक लंबा रास्ता तय करना है।

मुख्य अभ्यास प्रश्न :GS PAPPERIII: एस एंड टी ,विनिर्माण क्षेत्र

प्रश्न :भारत के सौर ऊर्जा कार्यक्रमों और नीतियों पर सौर फोटोवोल्टिक मॉड्यूल आदेश ,2019 के स्वीकृत मॉडल और निर्माताओं के निहितार्थ का आलोचनात्मक मूल्यांकन करें।) 150 शब्द/10 अंक(

उत्तर दृष्टिकोण

- भारत के सौर ऊर्जा लक्ष्यों और उन्हें प्राप्त करने में घरेलू विनिर्माण के महत्व की रूपरेखा प्रस्तुत करें।
- फिर सकारात्मक प्रभाव और नकारात्मक प्रभाव लाएँ
- आगे अतिरिक्त विचार जोड़ें
- फिर अंतिम पैराग्राफ में संतुलित मूल्यांकन लाएं
- भारत के सौर ऊर्जा लक्ष्यों पर एएलएमएम आदेश के प्रमुख सकारात्मक और नकारात्मक प्रभावों का

PatriotiAS

सारांश देते हुए अंत में निष्कर्ष निकालें।

उत्तर

भारत में नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय) MNRE (द्वारा पेश किए गए सौर फोटोवोल्टिक मॉड्यूल)एएलएम (आदेश ,2019 के स्वीकृत मॉडल और निर्माता ,का उद्देश्य सौर फोटोवोल्टिक मॉड्यूल के उत्पादन और बिक्री को विनियमित करना है। यह घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने और सौर ऊर्जा क्षेत्र में आयात पर निर्भरता को कम करने के लक्ष्य के साथ गुणवत्ता नियंत्रण और मानकों का पालन सुनिश्चित करने के लिए इन मॉड्यूल का उत्पादन करने वाले निर्माताओं के लिए अनिवार्य पंजीकरण को अनिवार्य करता है।

भारत के सौर ऊर्जा लक्ष्य और घरेलू विनिर्माण का महत्व :

- भारत का लक्ष्य 2030 तक सौर प्रतिष्ठानों में उल्लेखनीय वृद्धि करना है ,जिसमें सौर ऊर्जा से 280 गीगावॉट सहित गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से 500 गीगावॉट बिजली प्राप्त करने का लक्ष्य है।
- इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए घरेलू विनिर्माण महत्वपूर्ण है क्योंकि यह आयात पर निर्भरता कम करता है ,आत्मनिर्भरता को मजबूत करता है ,नौकरी के अवसर पैदा करता है और आपूर्ति श्रृंखला सुरक्षा को बढ़ाता है।

सकारात्मक प्रभाव:

- **गुणवत्ता आश्वासन :**एएलएमएम ऑर्डर भारत में उपयोग किए जाने वाले सौर मॉड्यूल की गुणवत्ता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करता है ,जिससे खराब प्रदर्शन और परियोजना विफलताओं का जोखिम कम होता है ,जिससे निवेशकों का विश्वास बढ़ता है।
- **घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा :**घरेलू सौर निर्माताओं को प्रोत्साहित करके ,एएलएमएम ऑर्डर आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देता है ,आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करता है और वैश्विक सौर बाजार में भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाता है।
- **डंपिंग के खिलाफ सुरक्षा :**यह आदेश संभावित रूप से भारतीय निर्माताओं को सस्ते ,कम गुणवत्ता वाले मॉड्यूल की डंपिंग जैसी अनुचित व्यापार प्रथाओं से बचाता है ,जिससे घरेलू उद्योग की रक्षा होती है।

नकारात्मक प्रभाव:

- **लागत में वृद्धि :**अनुपालन आवश्यकताओं में वृद्धि और अनुमोदित निर्माताओं की सीमित उपलब्धता के कारण एएलएमएम ऑर्डर के कारण सौर ऊर्जा परियोजनाओं की लागत में वृद्धि हो सकती है ,विशेष रूप से अल्पावधि में गोद लेने की गति धीमी हो सकती है।
- **नौकरशाही बोझ :**यह आदेश प्रशासनिक और अनुपालन जटिलताएँ पैदा कर सकता है ,डेवलपर्स और आपूर्तिकर्ताओं के लिए चुनौतियाँ पैदा कर सकता है और सौर क्षेत्र में व्यापार करने में आसानी में बाधा उत्पन्न कर सकता है।
- **सीमित प्रतिस्पर्धा :**ऐसी चिंता है कि एएलएमएम आदेश अनुमोदित निर्माताओं का पक्ष लेकर , संभावित रूप से नवाचार को बाधित करके और उपभोक्ता की पसंद को सीमित करके स्वस्थ बाजार प्रतिस्पर्धा को प्रतिबंधित कर सकता है।

अतिरिक्त मुद्दो पर विचार करना:

- **अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संबंध :**एएलएमएम आदेश भारत के व्यापार संबंधों को प्रभावित कर सकता है , खासकर चीन जैसे प्रमुख सौर घटक निर्यातकों के साथ। व्यापार विवादों से बचने के लिए डब्ल्यूटीओ नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है।

PatriotIAS

- **तकनीकी विकास** :नवाचार को बढ़ावा देते हुए घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने में प्रासंगिक और प्रभावी बने रहने के लिए आदेश को सौर क्षेत्र में तकनीकी प्रगति की तीव्र गति के अनुकूल होने की आवश्यकता है।

जबकि एएलएमएम ऑर्डर गुणवत्ता आश्वासन ,घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने और डंपिंग के खिलाफ सुरक्षा के मामले में महत्वपूर्ण लाभ प्रदान करता है ,यह लागत वृद्धि ,नौकरशाही बोझ और सीमित प्रतिस्पर्धा जैसी चुनौतियां भी पेश करता है। हालाँकि ,आत्मनिर्भरता प्राप्त करने और आपूर्ति श्रृंखला सुरक्षा बढ़ाने के दीर्घकालिक लाभ इन अल्पकालिक चुनौतियों से अधिक हैं।

इस प्रकार , एएलएमएम ऑर्डर घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देकर भारत के सौर ऊर्जा लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हालाँकि ,चुनौतियों का समाधान करने और एक प्रतिस्पर्धी और अभिनव सौर बाजार सुनिश्चित करने के लिए निरंतर मूल्यांकन और परिशोधन की आवश्यकता है। सिफारिशों में अनुपालन प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करना ,अनुसंधान और विकास प्रोत्साहनों के माध्यम से नवाचार को बढ़ावा देना और तकनीकी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए अंतरराष्ट्रीय हितधारकों के साथ साझेदारी को बढ़ावा देना शामिल है।

वर्ल्ड सेंट्रल किचन | वह चैरिटी जिस पर इजराइल ने गाजा में बमबारी की

इज़रायली सेना का कहना है कि' रात में गलत पहचान 'के कारण चैरिटी से संबंधित एक सहायता काफिले पर बमबारी हुई जिसमें इसके सात सदस्य मारे गए ,लेकिन इसके संस्थापक जोस एंड्रेस का कहना है कि आईडीएफ ने योजनाबद्ध तरीके से' कार दर कार ' सहायता कर्मियों को निशाना बनाया।

- शेफ जोस एंड्रेस ,जो अपने मानवीय कार्यों के लिए जाने जाते हैं ,रेस्तरां चलाने के बजाय कहानी सुनाने पर जोर देते हैं।
- उनके गैर-लाभकारी सहायता समूह ,वर्ल्ड सेंट्रल किचन) डब्ल्यूसीके (के सात कर्मचारी 2 अप्रैल को गाजा में इजरायली हमलों में मारे गए थे।
- हमास के हमलों के कारण गाजा पर इजरायली आक्रमण के परिणामस्वरूप महत्वपूर्ण फिलिस्तीनी हताहत हुए और व्यापक विनाश हुआ।
- मानवीय सहायता को प्रतिबंधित करने जैसे इज़रायली सरकार के उपायों ने गाजा में संकट को और खराब कर दिया।
- चुनौतियों के बावजूद ,WCK ने गाजा में सामुदायिक रसोई के माध्यम से लाखों भोजन उपलब्ध कराए।

PatriotIAS

- WCKगाजा में विभिन्न गतिविधियों में लगा हुआ है ,जिसमें सहायता वितरण के लिए अस्थायी घाट जैसे बुनियादी ढांचे का निर्माण भी शामिल है।
- हाल ही के एक पायलट प्रोजेक्ट में ,गाजा में एक अस्थायी घाट पर 200 टन की सहायता पहुंचाई गई।
- गाजा को सहायता पहुंचाने के लिए 332 टन का दूसरा काफिला 30 मार्च को साइप्रस से रवाना हुआ।
- WCKकार्यकर्ताओं ने सहायता सामग्री उतारने का निरीक्षण किया और मध्य गाजा के दीर-अल-बलाह में एक गोदाम में 100 टन सामान उतारा।
- दक्षिण में राफा लौटते समय 2 अप्रैल को उनके काफिले पर इजरायली सेना ने हमला कर दिया।
- काफिले ने पूर्व-अनुमोदित मार्ग का अनुसरण किया और इसमें WCK लोगो वाले बख्तरबंद वाहन शामिल थे ,लेकिन आईडीएफ ने फिर भी उन्हें निशाना बनाया।
- शेफ जोस एंड्रेस ने आपदा क्षेत्रों में प्रवेश करने के लिए अपनी टीम के साहस पर गर्व व्यक्त किया , लेकिन इस बार उन्हें इसके परिणाम भुगतने पड़े।

'गंभीर गलती'

- हड़ताल के बाद जहाज़ पर बचा हुआ 220 टन खाना साइप्रस को लौटा दिया गया।
- एक पूर्व इजरायली सेना जनरल की अध्यक्षता में एक जांच ने 5 अप्रैल को निष्कर्षों की घोषणा की , जिसके कारण दो अधिकारियों को बर्खास्त कर दिया गया।
- प्रधान मंत्री नेतन्याहू ने हमले को' दुखद 'बताया लेकिन टिप्पणी की कि ऐसी घटनाएं युद्ध के दौरान होती हैं।
- इज़रायली सेना ने' गंभीर गलती 'स्वीकार की और इसके लिए' रात में गलत पहचान 'को जिम्मेदार ठहराया।
- गाजा में सहायता वितरण पर पिछले हमलों में 29 फरवरी की घटना शामिल है ,जहां इजरायली बलों ने सहायता वितरण बिंदु पर गोलीबारी की ,जिससे भगदड़ मच गई और 115 फिलिस्तीनियों की मौत हो गई।
- आईडीएफ द्वारा सहायता वितरण कार्यों की सुरक्षा करने वाले पुलिस अधिकारियों को निशाना बनाने की भी सूचना है ,आरोप है कि वे आतंकवादियों को शरण देते हैं ।
- नवीनतम हमले के पीड़ितों में छह विदेशी और एक फिलिस्तीनी ड्राइवर शामिल हैं ,जिसकी विश्व नेताओं ने तीखी आलोचना की है ,जिन्होंने पहले गाजा में सहायता कर्मियों की दुर्दशा को नजरअंदाज किया था।
- अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन ,ऑस्ट्रेलियाई प्रधान मंत्री एंथनी अल्बानीज़ और पोलिश प्रधान मंत्री डोनाल्ड टस्क जैसे नेताओं ने हमले के लिए इज़राइल की आलोचना की है।
- शेफ जोस एंड्रेस ने गाजा संघर्ष के दौरान उनकी सहायता टीम को निशाना बनाने के लिए आईडीएफ की आलोचना की।

PatrioticIAS

- उन्होंने शुरू में इज़राइल के आत्मरक्षा के अधिकार का समर्थन किया लेकिन बाद में अंधाधुंध हत्याओं के लिए नेतन्याहू सरकार की निंदा की।
- एंड्रेस ने अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय की चिंताओं को दोहराते हुए इज़राइल से भोजन को हथियार के रूप में उपयोग करना बंद करने का आग्रह किया।
- वर्ल्ड सेंट्रल किचन) डब्ल्यूसीके (ने गाजा से पहले यूक्रेन में सात स्वयंसेवकों को खो दिया ,जहां उन्होंने सहायता प्रदान की थी।
- WCKआपदा राहत में माहिर है ,एंड्रेस ने 2010 में हैती भूकंप के बाद इसे बनाने के लिए प्रेरित किया।
- संगठन" निजी क्षेत्र की मानसिकता "के साथ काम करता है ,स्थानीय स्तर पर भोजन की सोर्सिंग करता है और स्थानीय बुनियादी ढांचे का उपयोग करता है।

अपनी तुलना दूसरों से न करें) GS PAPER IV)

सच्ची ख़ुशी पाने के लिए अपनी प्रतिभा और क्षमता पर ध्यान दें

- वर्णनकर्ता को शैक्षणिक रूप से संघर्ष करना पड़ा ,विशेषकर गणित में ,लेकिन वह पाँचवीं कक्षा तक पहुँचने में सफल रहा।
- गणित की परीक्षा के बाद जिसमें कई सहपाठी भी असफल हो गए ,वर्णनकर्ता ने उनके पिता को परिणाम दिखाया।
- पिता ने वर्णनकर्ता की सहपाठियों के साथ अंकों की तुलना करने की आदत पर सवाल उठाया।
- उन्होंने बताया कि दूसरों से अपनी तुलना करने से व्यक्तिगत सुधार नहीं होता है।
- इसके बजाय ,उन्होंने कथावाचक को **अपने विकास और क्षमता पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया।**
- माँ ने **व्यक्तिगत ख़ुशी के लिए आत्म-तुलना के महत्व पर जोर देते हुए इस विचार का समर्थन किया।**
- माता-पिता दोनों ने खुद की तुलना दूसरों से न करने की सलाह दी और बेहतर दृष्टिकोण के रूप में आत्म-मूल्यांकन और सुधार का सुझाव दिया।
- उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि खुद की तुलना करने वाला एकमात्र व्यक्ति उसका अपना पिछला प्रदर्शन होता है।
- कथाकार ने दूसरों के साथ अपने जीवन की तुलना करना बंद कर दिया और अपनी क्षमता पर ध्यान केंद्रित किया।
- **उन्होंने शोध में अपना करियर चुना जबकि उनके दोस्तों ने अलग रास्ते अपनाए।**
- **अपने शोध कार्य में चुनौतियों के बावजूद ,उन्हें पूर्णता और संतुष्टि मिली।**
- कथावाचक को **इच्छाओं और आकांक्षाओं में अंतर को स्वीकार करने के महत्व का एहसास हुआ।**
- **सोशल मीडिया दूसरों से अपनी तुलना करने की प्रवृत्ति को बढ़ाता है** ।

PatrioticIAS

- सोशल मीडिया पर अत्यधिक तुलना से **आत्म-सम्मान में कमी और असुरक्षाएं पैदा होती हैं।**
- तुलना करने के बजाय लोगों को खुद को स्वीकार करना चाहिए और अपनी प्रतिभा को विकसित करने पर ध्यान देना चाहिए।
- **स्वीकृति और आत्म-सुधार से वास्तविक खुशी और संतुष्टि मिलती है ।**

प्रारंभिक परीक्षा अभ्यास प्रश्न:-

प्रश्न1 : निम्नलिखित में से किस संकेतक की गणना में नियोजित और सक्रिय रूप से काम की तलाश करने वाले दोनों व्यक्ति शामिल हैं?)A)कार्यबल भागीदारी दर) WPR( )B) बेरोजगारी दर) UR( )C)श्रम बल भागीदारी दर) LFPR( )D)रोजगार दर
प्रश्न2 : श्रम बल भागीदारी दर) LFPR (में गिरावट निम्नलिखित में से क्या संकेत दे सकती है?)A)रोजगार सृजन में वृद्धि)B) हतोत्साहित श्रमिकों में कमी (C)श्रम बल में कामकाजी उम्र की आबादी के अनुपात में वृद्धि)D)सक्रिय रूप से काम की तलाश नहीं करने वाले व्यक्तियों के अनुपात में वृद्धि
प्रश्न3 : बेरोजगारी दर) UR (की गणना इस प्रकार की जाती है:)A)बेरोजगार व्यक्ति / कुल जनसंख्या)B) बेरोजगार व्यक्ति / कामकाजी उम्र की आबादी)C)बेरोजगार व्यक्ति/श्रम बल)D)नियोजित व्यक्ति/श्रम बल
प्रश्न4 : ऐसे परिदृश्य पर विचार करें जहां बेरोजगारी दर स्थिर रहती है ,लेकिन कार्यबल भागीदारी दर में गिरावट आती है। इससे पता चलता है:)A)अर्थव्यवस्था में अधिक नौकरियाँ पैदा हुई हैं।)B) निराश श्रमिकों ने श्रम बल छोड़ दिया है।)C)नियोजित व्यक्तियों की संख्या में कमी आई है।)D)आर्थिक स्थिति में काफी सुधार हुआ है।
प्रश्न5 : निम्नलिखित में से कौन सौर सेल के प्राथमिक कार्य का सबसे अच्छा वर्णन करता है?)A)सूर्य के प्रकाश को ऊष्मा ऊर्जा में परिवर्तित करना)B) सूर्य के प्रकाश को विद्युत ऊर्जा में परिवर्तित करना

PatriotICIAS

)C)बाद में उपयोग के लिए सौर ऊर्जा का भंडारण)D)सौर पैनल में बिजली के प्रवाह को विनियमित करना
प्रश्न6 : सौर कोशिकाओं के संचालन के लिए महत्वपूर्ण फोटोवोल्टिक प्रभाव में मुख्य रूप से शामिल हैं:)A)जब प्रकाश किसी पदार्थ से टकराता है तो इलेक्ट्रॉनों का उत्सर्जन)B) किसी सामग्री द्वारा ऊष्मा ऊर्जा का अवशोषण)C)सूर्य के प्रकाश के तहत किसी सामग्री का रासायनिक परिवर्तन)D)किसी सामग्री की सतह से प्रकाश का प्रतिबिंब
प्रश्न7 : अधिकांश वाणिज्यिक सौर कोशिकाओं में प्रयुक्त प्राथमिक अर्धचालक सामग्री की पहचान करें:)A)तांबा)B) सिलिकॉन)C)एल्यूमिनियम)D)कार्बन

प्रश्न1 : निम्नलिखित में से किस संकेतक की गणना में नियोजित और सक्रिय रूप से काम की तलाश करने वाले दोनों व्यक्ति शामिल हैं?)A)कार्यबल भागीदारी दर) WPR( )B) बेरोजगारी दर) UR( )C)श्रम बल भागीदारी दर) LFPR( )D)रोजगार दर	उत्तर) :C)श्रम बल भागीदारी दर) LFPR(स्पष्टीकरण :LFPR कामकाजी उम्र की आबादी के अनुपात को मापता है जो या तो कार्यरत हैं या बेरोजगार हैं लेकिन सक्रिय रूप से काम की तलाश में हैं।
प्रश्न2 : श्रम बल भागीदारी दर) LFPR (में गिरावट निम्नलिखित में से क्या संकेत दे सकती है?)A)रोजगार सृजन में वृद्धि)B) हतोत्साहित श्रमिकों में कमी श्रम बल में कामकाजी उम्र की आबादी के अनुपात में वृद्धि)D)सक्रिय रूप से काम की तलाश नहीं करने वाले व्यक्तियों के अनुपात में वृद्धि	उत्तर) :D)सक्रिय रूप से काम की तलाश नहीं करने वाले व्यक्तियों के अनुपात में वृद्धि स्पष्टीकरण :LFPR में गिरावट से पता चलता है कि कामकाजी उम्र की आबादी का एक छोटा प्रतिशत श्रम बल में है ,या तो सेवानिवृत्ति ,हतोत्साहित होने या सक्रिय रूप से काम की तलाश न करने के अन्य कारणों से।
प्रश्न3 : बेरोजगारी दर) UR (की गणना इस प्रकार की जाती है:)A)बेरोजगार व्यक्ति / कुल जनसंख्या)B) बेरोजगार व्यक्ति / कामकाजी उम्र की आबादी)C)बेरोजगार व्यक्ति/श्रम बल)D)नियोजित व्यक्ति/श्रम बल	उत्तर) :C)बेरोजगार व्यक्ति/श्रम बल श्रम बल के भीतर उन लोगों के प्रतिशत को मापता है)जो काम कर रहे हैं या सक्रिय रूप से काम की तलाश में हैं (जो बेरोजगार हैं।
प्रश्न4 : ऐसे परिदृश्य पर विचार करें जहां बेरोजगारी दर स्थिर रहती है ,लेकिन कार्यबल भागीदारी दर में गिरावट आती है।	उत्तर) : बी (निराश श्रमिकों ने श्रम बल छोड़ दिया है। स्पष्टीकरण :स्थिर UR के साथ WPR में गिरावट

PatriotIAS

इससे पता चलता है:)A)अर्थव्यवस्था में अधिक नौकरियाँ पैदा हुई हैं।)B) निराश श्रमिकों ने श्रम बल छोड़ दिया है।)C)नियोजित व्यक्तियों की संख्या में कमी आई है।)D)आर्थिक स्थिति में काफी सुधार हुआ है।	इंगित करती है कि लोग अब सक्रिय रूप से काम की तलाश नहीं कर रहे हैं ,संभवतः निराशा के कारण , जिसके कारण उन्हें बेरोजगार के रूप में नहीं गिना जा रहा है।
प्रश्न5 : निम्नलिखित में से कौन सौर सेल के प्राथमिक कार्य का सबसे अच्छा वर्णन करता है?)A)सूर्य के प्रकाश को ऊष्मा ऊर्जा में परिवर्तित करना)B) सूर्य के प्रकाश को विद्युत ऊर्जा में परिवर्तित करना)C)बाद में उपयोग के लिए सौर ऊर्जा का भंडारण)D)सौर पैनल में बिजली के प्रवाह को विनियमित करना	उत्तर) :B) सूर्य के प्रकाश को विद्युत ऊर्जा में परिवर्तित करना स्पष्टीकरण :सौर सेल) फोटोवोल्टिक सेल (का मुख्य कार्य प्रकाश ऊर्जा) फोटॉन (का विद्युत ऊर्जा)वोल्टेज (में प्रत्यक्ष परिवर्तन है।
प्रश्न6 : सौर कोशिकाओं के संचालन के लिए महत्वपूर्ण फोटोवोल्टिक प्रभाव में मुख्य रूप से शामिल हैं:)A)जब प्रकाश किसी पदार्थ से टकराता है तो इलेक्ट्रॉनों का उत्सर्जन)B) किसी सामग्री द्वारा ऊष्मा ऊर्जा का अवशोषण)C)सूर्य के प्रकाश के तहत किसी सामग्री का रासायनिक परिवर्तन)D)किसी सामग्री की सतह से प्रकाश का प्रतिबिंब	उत्तर) :A)जब प्रकाश किसी पदार्थ से टकराता है तो इलेक्ट्रॉनों का उत्सर्जन होता है स्पष्टीकरण :फोटोवोल्टिक प्रभाव बताता है कि कैसे कुछ सामग्री प्रकाश के संपर्क में आने पर इलेक्ट्रॉन छोड़ती है ,जिससे बिजली का प्रवाह होता है।
प्रश्न7 : अधिकांश वाणिज्यिक सौर कोशिकाओं में प्रयुक्त प्राथमिक अर्धचालक सामग्री की पहचान करें:)A)तांबा)B) सिलिकॉन)C)एल्यूमिनियम)D)कार्बन	उत्तर) :B) सिलिकॉन स्पष्टीकरण :सिलिकॉन ,विभिन्न रूपों में ,सौर सेल निर्माण के लिए उपयुक्त गुणों के कारण सबसे व्यापक रूप से उपयोग किया जाने वाला अर्धचालक है।
प्रश्न : 8 निम्नलिखित में से कौन सा कारक सौर सेल की दक्षता को सीधे प्रभावित नहीं करता है?)A)सूर्य के प्रकाश की तीव्रता)B) विनिर्माण प्रौद्योगिकी)C)तापमान)D)सौर पैनल का आकार	उत्तर) :D)सौर पैनल का आकार स्पष्टीकरण :जबकि पैनल का आकार कुल बिजली उत्पादन निर्धारित करता है ,यह सीधे इसके भीतर व्यक्तिगत सौर कोशिकाओं की दक्षता को प्रभावित नहीं करता है।

PatriotIAS